72

संख्या– /XVIII-(2)/16-12(11)/2014 TC

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग–1

देहरादूनः दिनांक 2, जनवरी, 2016

विषयः– **प्राकृतिक आपदा एस.पी.ए./ए.सी.ए.(आपदा 2013) के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग हेतु अनुमोदित कार्यो पर वित्तीय वर्ष 2015–16 में धनावंटन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या–4476/34–बजट(एस.पी.ए.–पुनर्निर्माण)/2015–16, दिनांक 19.12.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से वित्तीय वर्ष 2015–16 में एस.पी.ए./ए.सी.ए. (आपदा 2013) के अंतर्गत विभिन्न कार्ययोजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा अवमुक्त धनराशि ₹ 9305.96 लाख अवमुक्त किये जाने का प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

2– उपरोक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2013 में आयी भीषण प्राकृतिक आपदा, बाढ़ एवं बादल फटने आदि के कारण जनपद उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर, चमोली एवं पिथौरागढ़ क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मोटर मार्गो/पुलियों के पुनर्निर्माण हेतु विशेष आयोजनागत सहायता (पुनर्निर्माण) के अंतर्गत वर्ष 2015–16 हेतु राज्य योजना आयोग के पत्र संख्या–1456/37-C/रा.यो.आ./एस.पी.ए. (आर)/2015–16 टी.सी., दिनांक 14.12.2015 द्वारा ₹ 9305.96 लाख की धनराशि स्वीकृत/अनुमोदित की गई है, जिसके सापेक्ष आपदा प्रबन्धन विभाग के आय–व्ययक वित्तीय वर्ष 2015–16 के संगत मद में अवशेष धनराशि में से एकमुश्त ₹ 40.00 करोड़ (₹ चालीस करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरण कर व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैः–

1– वर्णित योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा सी.एस.एस./केन्द्र पोषित सड़क एवं सेतुओं के पुनर्निर्माण से सम्बन्धित योजनाओं के सम्बन्ध में निर्गत दिशा–निर्देश, मानकों एवं नियमों का पालन किया जायेगा तथा तत्काल सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

2– सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिये यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित जिलाधिकारी/विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

3– स्वीकृत धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किया जायेगा।

4– उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय–समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।

5– यह धनराशि आपदा 2013 से हुई क्षतियों के पुनर्निर्माण के लिये है। अतः किसी भी दशा में जून, 2013 से पूर्व के कार्यो के लिये इस धनराशि का उपयोग नहीं किया जायेगा। इसके लिये सम्बन्धित प्रशासकीय विभाग उत्तरदायी होंगे।

6– जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय।

7– सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग/आहरण एवं वितरण अधिकारी को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी.एम.–10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण–पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार, उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

8– कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग/जिलाधिकारी /कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

9– कार्य करने से पूर्व अनुमन्य दर सूची आधार पर गठित विस्तृत आंगणन की तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

10– त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2016 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।

11– विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा सक्षम अधिकारी के माध्यम से प्रश्नगत चालू कार्यों का मासिक रूप से भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

12– धनराशि का आहरण सी.सी.एल. हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

13– आंगणन में स्वीकृत डिजाइन/मानक एवं दरों के अन्तर्गत होने पर ही स्वीकृत धनराशि को व्यय किया जायेगा।

14– यदि उक्त कार्यो में से किसी कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के बजट से अथवा अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है तो उस योजना हेतु इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण न करके धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी। स्वीकृत की जा रही योजनायें किसी अन्य मद से पूर्व में स्वीकृत न की गई हो, इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की दोहराव (Duplicacy) की स्थिति के लिये विभाग के प्रमुख अभियन्ता/विभागाध्यक्ष पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

3– वित्तीय वर्ष 2015–16 में राज्य योजना आयोग द्वारा स्वीकृत ₹ 9305.96 लाख के सापेक्ष लेखाशीर्षक–2245–0102–एस.पी.ए./ए.सी.ए. (आपदा 2013) में अवशेष धनराशि में से ₹ 40.00 करोड़ की धनराशि एकमुश्त अवमुक्त की जा रही है। अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने की कार्यवाही पृथक से की जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि की फॉट सचिव, लोक निर्माण विभाग द्वारा अपने स्तर पर किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

4– इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015–16 के आय–व्ययक की अनुदान संख्या–6 के लेखाशीर्षक–2245–प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत–80–सामान्य–800–अन्य व्यय–01–केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना–0102–एस.पी.ए./ए.सी.ए. (आपदा 2013) के अन्तर्गत सड़क एवं सेतु निर्माण हेतु अनुदान–24–वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

5– यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या–1172/XXVII(1)/2015, दिनांक 28 सितम्बर, 2015 में प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

संख्या– 54. (1)/XVIII-(2)/16-12(11)/2014 TC, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः

1– महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2– सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3– आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
4– निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
5– अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6– जिलाधिकारी, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ ।
7– मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़।
8– निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
9– राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
10– प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11– वित्त अनुभाग–1/5, उत्तराखण्ड शासन।
12– गार्ड फाइल।

21-2016

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव